ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-८४ **टेलीफोन -०६२७४-२४०२६६**
दिनांक-वृहस्पतिवार,२२ नवम्बर,२०१८

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २७.३ एवं ११.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ५३ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.३ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण १.६ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.७ एवं दोपहर में २५.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२३ से २७ नवम्बर, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २३ से २७ नवम्बर,२०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २६ से २८ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान १० से १२ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह में कुहासा रह सकता है।
- औसतन ५ से ८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने की संभावना है। २६ से २७ नवम्बर को पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें।
- विगत माह बोयी गई मटर, राजमा, लहसून एवं सब्जियों वाली फसलें- बैगन, टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी एवं फूलगोभी में निकाई गुराई तथा आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सब्जियों में कीट-व्याधी की निगरानी करें।
- प्याज की श्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से प्रत्येक १० से १२ दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- जो किसान भाई गेहुँ की बुआई करना चाहते है वें सिंचित एवं समयकालीन गेहुँ की किस्मों की बुआई करें। बुआई पूर्व खेत में १५०-२०० क्विटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम फॉसफोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। *पी०बी०डब्लू०-३४३, पी०बी०डब्लू०-४४३, सी०बी०डब्लू०-३८, डी०बी०डब्लू०-३९, एच०डी०-२७३३, एच०डी०-२९६७, एच०डी०-२८२४, के०-९१०७, के०-३०७, एच०यू०डब्लू०- २०६ एवं एच०यू०डब्लू०-४६८* किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। बीज को बुबाई से पहले बेबीस्टीन २.५ ग्राम की दर से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित करें। छिटकबाँ विधि से बुआई के लिए प्रति हेक्टेयर १२५ किलोग्राम तथा सीड ड्रील से पंक्ति में बुआई के लिए १०० किलोग्राम बीज का व्यवहार करें। बीज के अच्छे जमाव के लिए बुआई पूर्व खेत की नमी की जाँच आवश्यक है। नमी के अभाव रहने पर किसान गेहूँ की बुआई से पहले हल्की सिंचाई कर लें।
- आलू की रोपाई प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। खेत की जुताई में कम्पोस्ट २००-२५० क्विटल, ७५ किलोग्रम नेत्रजन, ६० किलोग्रम फास्फोरस एवं १०० किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। *कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू- १, राजेन्द्र आलू- २ तथा राजेन्द्र आलू-३* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित किस्में है। पंक्ति से पक्ति की दुरी ५०-६० से०मी० एवं बीज से बीज की दुरी १५-२० से०मी० रखें। आलू को काट कर लगाने पर २ से ३ स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर २४ घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के ०.५ प्रतिशत घोल या डाइथेन एम० ४५ के ०.२ प्रतिशत घोल में १० मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (२०-४० ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है।
- राई की पिछेती किस्में राजेन्द्र अनुकूल, राजेन्द्र सुफलाम एवं राजेन्द्र राई पिछेती की बुआई इस माह के अन्त तक कर लें। राई की फसल जो २० से २५ दिनों की हो गयी है उसमें निकौनी तथा बछनी कर पौधे से पौधे की दुरी १२-१५ से०मी० रखें। सब्जियों की फसलों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- चना की बुआई के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। खेत की तैयारी के समय २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम फॉसफोरस, २० किलोग्राम पोटास एवं २० किलोग्राम सल्फर प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। चना के लिए उन्नत किस्म *पूसा-२५६, के०पी०जी०-५९(उदय), के०डब्लू०आर० १०८, पंत जी १८६ एवं पूसा ३७२* अनुशंसित हैं। बीज को बेबीस्टीन २.५ ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। २४ घंटा बाद उपचारित बीज को कजरा पिल्लू से बचाव हेतु क्लोरपाईरीफॉस ८ मि०ली० प्रति किलोग्राम की दर से मिलावें। पुनः ४ से ५ घंटे छाया में रखने के बाद राईजोबीयम कल्चर (पॉच पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दानों की किस्मों के लिए बीज दर ७५ से ८० किलोग्रम एवं बड़े दानों के लिए १०० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ३० x १० से०मी० रखें।
- रबी मक्का की बुआई इस माह के अन्त तक समाप्त कर लें। इसके लिए संकर किस्में *शक्तिमान १ सफेद, शक्तिमान २ सफेद, शक्तिमान-३ पीला, शक्तिमान ४ पीला, शक्तिमान-५ पीला, गंगा ११ नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का १, राजेन्द्र संकर मक्का २ एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में- देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला* इस क्षेत्र के लिए अनुसंशित है। खेत की जुताई में १००-१५० क्विंटल कम्पोस्ट, ६० किलोग्रम नेत्रजन, ७५ किलोग्रम फास्फोरस एवं ५० किलोग्रम पोटाश प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर २० किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी ६० x २० से०मी० रखें।

आज का अधिकतम तापमानः २७.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः ११.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.२ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी